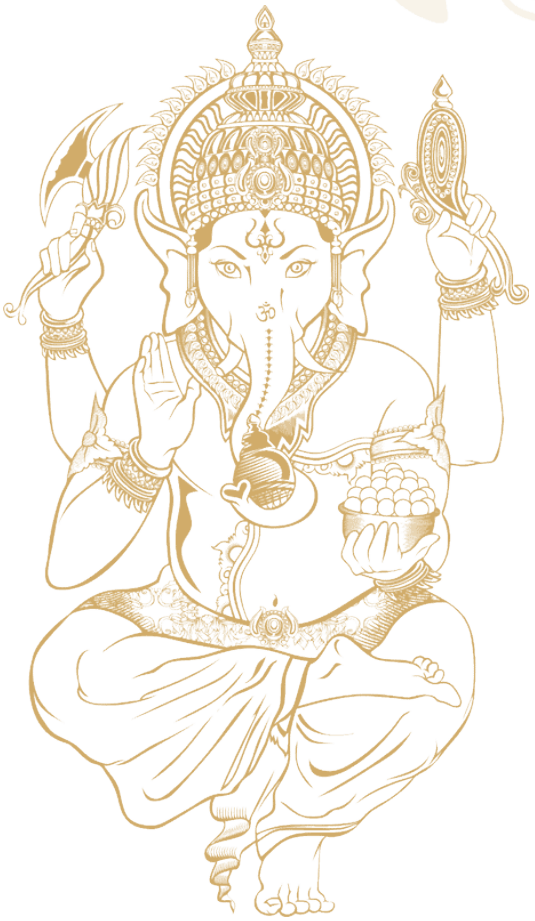

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119058306

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/07/1996	जन्म तिथि	01/09/1997
शुक्र-शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 03:45:00	जन्म समय	06:25:00 घंटे
घटी 55:14:28	जन्म समय(घटी)	01:04:44 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:12	सूर्योदय	05:59:06
19:15:02	सूर्यास्त	18:42:40
23:48:37	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 11वर्ष 7मा 12दि	14:47:29	मिथु	लग्न	सिंह	19:38:46	केतु 4वर्ष 8मा 2दि
शुक्र	10:21:56	कर्क	सूर्य	सिंह	14:48:42	सूर्य
10/03/2015	20:53:14	वृश्चि	चंद्र	सिंह	04:25:59	04/05/2022
10/03/2035	06:58:04	मिथु	मंगल	तुला	17:21:11	04/05/2028
शुक्र 10/07/2018	26:26:38	कर्क	बुध व	सिंह	13:55:34	सूर्य 22/08/2022
सूर्य 10/07/2019	16:14:05	धनु व	गुरु व	मक	20:25:08	चन्द्र 21/02/2023
चन्द्र 10/03/2021	27:30:29	वृष	शुक्र	कन्या	23:14:29	मंगल 29/06/2023
मंगल 10/05/2022	13:32:07	मीन व	शनि व	मीन	25:46:08	राहु 22/05/2024
राहु 10/05/2025	16:39:49	कन्या व	राहु व	सिंह	25:53:23	गुरु 10/03/2025
गुरु 09/01/2028	16:39:49	मीन व	केतु व	कुंभ	25:53:23	शनि 20/02/2026
शनि 10/03/2031	08:43:48	मक व	हर्ष व	मक	11:38:34	बुध 28/12/2026
बुध 08/01/2034	02:20:02	मक व	नेप व	मक	03:43:58	केतु 05/05/2027
केतु 10/03/2035	06:34:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:06:03	शुक्र 04/05/2028

लग्न-चलित

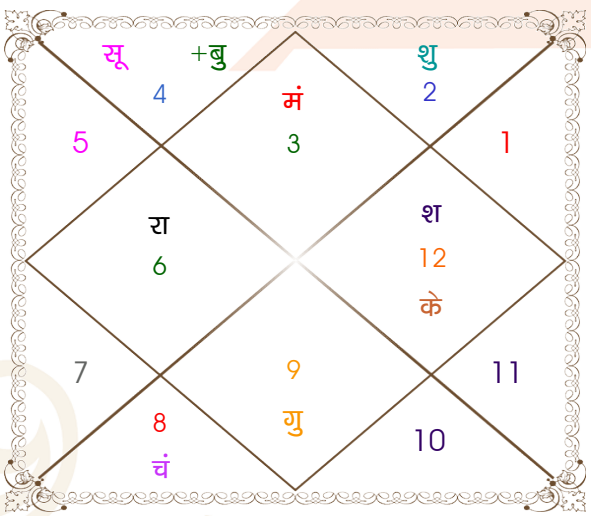

लग्न-चलित

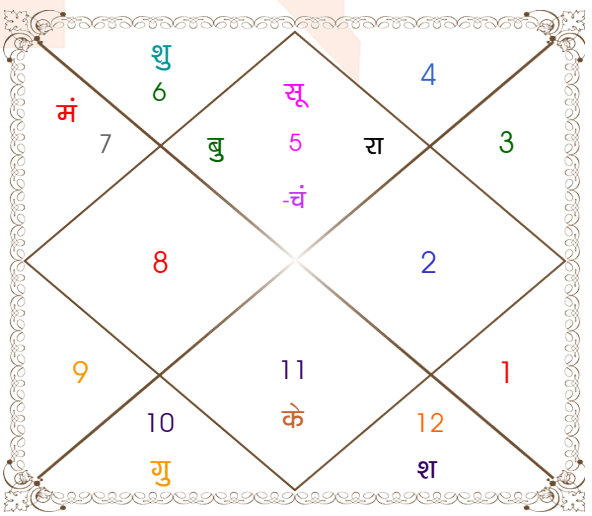

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.00		

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।